आत्मीय स्वजन

मानव अपनी सृजनात्मक प्रतिभा और तकनीकी विज्ञान से जिस कृत्रिम उपकरणों व रचनाओं का आविष्कार करता रहा है, उस तकनीक ने भौतिक धरातल पर विचार और आचरण की ऐसी परंपरा का ताना बाना बुना है, जिसे हम आधुनिक सभ्यता कह रहे है। आधुनिकता का सम्बन्ध उत्तर औद्योगिक जीवन के साथ जुड़ा हुआ है। शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के साथ साथ मानव की सोच में जो परिवर्तन आया, उस बदलती सोच ने एक नई जीवनशैली को आकार दिया। जिसमें नैसर्गिकता का लोप होता दिखाई पडता है। मानव निर्मित इस स्थिति को अलगाववाद की ऐसी भावना के रूप में निरूपित किया जा सकता है जो कि क्रमिक रूप से मानव को प्राकृतिक विचारधारा से दूर ले जा रही है।

विलासी और सुखी जीवन के लोभ ने, पहले से सिकुडतें जल प्रवाह, जंगल, जमीन एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों को, मल तथा कचरे से प्रदूषित किया है। इस प्रदूषित संसाधन एवं पर्यावरण के कारण कुछ हानिकारक सामाजिक परिवर्तन तथा मानव में मनोदैहिक विकारों का प्रादुर्भाव परिलक्षित हो रहा है।

पर्यावरण के साथ साथ मानव की सोच, रहन–सहन, आहार–विहार में आया परिवर्तन कई बीमारियों का कारण बना है। ऐसी स्थिति में प्रकृति प्रेमी, पर्यावरण वैज्ञानिक, दक्ष चिकित्सक तथा प्रबुद्ध चिंतक मानव और प्रकृति के मध्य सहअस्तित्व का जो संबंध है, उसे जानने तथा विवकेपूर्ण तरीके से तद् अनुसार जीवनशैली को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं।

आनन्द केन्द्र, विवेकानन्द नीडम्, ग्वालियर ने प्राकृतिक सहजीवन की शैली, पर्यावरण अनुकूल तकनीकी, प्राकृतिक संपदा का विकास तथा प्राकृतिक उपचार द्वारा निरंतर जन सामान्य के विचारों में प्राकृतिक जीवन की मानसिक सिद्धता बनाएँ रखने का गंभीर प्रयत्न किया है। मात्र शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और भावनात्मक स्तर पर स्वास्थ्य को लेकर चिंतन–मंथन करने से जीवन में पूर्णता नहीं आयेगी। अपितु जीवन सार्थकता का बोध होकर जीवन जीने की योग्यता आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस बात को ध्यान में रख कर आनन्द केन्द्र ने ग्वालियर स्थित विवेकानन्द नीडम्, के प्राकृतिक, मनोरम एवं आध्यात्मिक परिवेश में "प्राकृतिक स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण" इस विषय पर दिनांक 22, 23, 24 फरवरी 2013 (शुक्रवार, शनिवार, रविवार) को, राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

इस संगोष्ठी में तिब्बत सरकार (निर्वासित) के पूर्व प्रधानमंत्री प्रो. सामदोंग रिंपोछे जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामगोपाल जी, प्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक श्री अनुपम मिश्र जी, प्रबुद्ध चिंतक श्री पवन गुप्ता जी, स्वामिनी गीतानन्द जी एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य वैज्ञानिक डॉ.एस.एन. पाण्डेय जी, जनस्वास्थ्य वैज्ञानिक डॉ. ए.के. अरूण जी और अन्य प्रबुद्ध चिंतक, दक्ष चिकित्सक एवं प्रकृति प्रेमी साधक पधार कर, "प्राकृतिक स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण" इस विषय पर अपने मौलिक अध्ययन एवं अनुभव से हमारा मागदर्शन करेंगे तथा स्वास्थ्य के विशेष पहलुओं से हमारा परिचय करायेंगे।

आयोजक संस्थान एवं संगोष्ठी स्थान

संगोष्ठी का आयोजन विवेकानन्द नीडम् के अत्यन्त प्राकृतिक तथा मनोरम परिसर में किया जा रहा है। झरने, एकान्त कुटीर, पेड़–पौंधे, लता–पुष्प, पशु–पक्षी तथा जैव विविधता आदि से आपूरित प्राकृतिक वातावरण वैचारिक तथा भावनात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है।

विवेकानन्द नीडम्, ग्वालियर रेल्वे स्टेशन से चार किलोमीटर की दूरी पर ग्वालियर नगर में ही स्थित है। ग्वालियर रेल्वे स्टेशन, रेल्वे के मुख्य मार्ग दिल्ली–चैन्नई लाईन पर होने से उत्तर, दक्षिण दिशा से और मुबंई की ओर से आनेवाली लगभग सभी ट्रेनें यहां पर रूकती हैं।

कार्यक्रम का स्वरूप

दिनांक 22 फरवरी 2013 को पुर्वाह्न 11.00 बजे उद्घाटन से संगोष्ठी का प्रारंभ किया जायेगा। 24 फरवरी 2013 को मध्याह्न 01.00 बजे तक संगोष्ठी का समापन होगा। पश्चात् भोजनोपरान्त आप अपने समय का इच्छानुसार उपयोग कर सकते हैं।

पंजियन

आप संगोष्ठी में सहभागी होने हेतु कृपया इस पत्रक के साथ संलग्न फॉर्म तथा न्यूनतम सहयोग राशि प्रति व्यक्ति रू. 500/– मात्र, आनन्द केन्द्र, ग्वालियर के नाम भेज कर व्यवस्था की दृष्टि से अपनी उपस्थिति को 10 फरवरी 2013 से पहले सुनिश्चित करने की कृपा करें।

REGISTRTION FORM

राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्राकृतिक स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण

आयोजक

आनन्द केन्द्र, विवेकानन्द नीडम्, ग्वालियर –474002 म.प्र.

1. नाम : .....

2. आयु : ..... वर्ष, लिंग : स्त्री/पुरूष

3. शिक्षा : .....

4. पता : .....

.....

.....

.....पिन कोड : .....

दूरभाष नं. : .....

मोबाईल नं.: .....

ई–मेल : .....

5. आप द्वारा प्रेषित लेख : .....

.....

6. पद : .....

आप जिस संस्थान से संबंधीत है उसका नाम : .....

.....

विशेष निवेदन : .....

.....

मैं आनन्द केन्द्र, विवेकानन्द नीडम् द्वारा प्राकृतिक स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण इस विषय आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागी होना चाहता/चाहती हूँ। अतः इस फॉर्म के साथ न्यूनतम सहयोग राशि रू. 500/– मात्र, आनन्द केन्द्र, ग्वालियर के नाम नगद, चेक/ड्राफ्ट क्रमांक ..... संलग्न कर भेज रहा/रही हूँ।

दिनांक : .....

स्थान : ..... हस्ताक्षर

आनन्द केन्द्र, विवेकानन्द नीडम्

महलगाँव, ग्वालियर 2. म.प्र. भारत

फोन नं. 0751 2344866 मो.07566816013

महोदय,

आपको सूचित करते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है कि "प्राकृतिक स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण" इस विषय पर मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर में आगामी 22, 23, 24 फरवरी 2013 को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

प्रकृति प्रेमी, पर्यावरण वैज्ञानिक, सुज्ञ चिकित्सक तथा प्रबुद्ध चिंतक बहुत बडी संख्या में इस आयोजन में सहभागी होंगे। इसके अलावा हजारों लोग इस आयोजन के विभिन्न कार्यक्रमों से जुडे रहेंगे। यह आयोजन कई दृष्टि से महत्वपूर्ण तथा विविधतापूर्ण होगा।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश, दुनिया के प्रसिद्ध स्वास्थ वैज्ञानिक, पर्यावरण तज्ञ तथा अनुसंधान कर्ताओ द्वारा लिखे गये महत्वपूर्ण लेखों की एक स्मारिका प्रकाशित की जायेगी। प्राकृतिक स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण इस विषय पर वैज्ञानिक अध्ययन स्मारिका में सम्मिलित होने के कारण स्मारिका संग्रहणीय होगी।

संगोष्ठी में भाग लेने वाले लोगों तक अपना संदेश पहुंचाने हेतु अनेक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान स्मारिका में विज्ञापन प्रकाशित कर इस आयोजन की सफलता के लिये सहयोग कर सकते है।

स्मारिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन की सहयोग राशि निम्नानुसार है –

साईज 19.5 X 25.5 सें.मी.	प्रिंट एरिया 17.5 X 23 सें.मी.
अंतिम कवर पृष्ठ, रंगीन	रू. 25,000/–
कवर इनसाइड, रंगीन	रू. 15,000/–
पूरा पृष्ठ, श्याम श्वेत	रू. 10,000/–
आधा पृष्ठ, श्याम श्वेत	रू. 05,000/–
चौथाई पृष्ठ, श्याम श्वेत	रू. 03,000/–

स्मारिका में विज्ञापन प्रकाशन हेतु अनुमति के साथ विज्ञापन सामग्री का आर्टपुल/आर्टवर्क/पॉजिटिव या सी.डी. भी भेजें। विज्ञापन के साथ चेक या बैंक ड्राप्ट "आनन्द केन्द्र, ग्वालियर" के नाम भेजे।

धन्यवाद सहित।

संयोजक

सागर कछवा

विषय

इस संगोष्ठी में निम्न विषयों पर वैज्ञानिक अध्ययन तथा लेख आमंत्रित है –

1. प्राकृतिक स्वस्थ जीवन शैली के मायने।
2. प्रकृति और सभ्यता के अंतर्द्वंद्व और सहजीवन की अनिवार्यता।
3. असाध्य रोग और प्राकृतिक जीवन शैली।
4. स्वस्थ जीवन के लिए स्वस्थ आहार।
5. पेड़–पौधें और हमारा स्वास्थ्य।
6. विकास की आधुनिक अवधारणा, बाजार और स्वास्थ्य।
7. स्वस्थ जीवन के लिए स्वस्थ पर्यावरण।

सहयोग अभिलाषा

आयोजन में होने वाला व्यय आप सबके सहयोग तथा प्रदत्त सहयोग राशी से ही संभव हो सकेगा। अतः आप सभी सुज्ञ जनों, समाजसेवी, प्रकृति प्रेमी, उद्यमी महानुभावों से विनम्र अनुरोध है कि इस आयोजन की सफलता के लिये यथा संभव अधिकाधिक सहयोग देकर उपकृत करें।

सहयोग स्वरूप योगदान आप चेक या ड्राफ्ट द्वारा आनन्द केन्द्र, ग्वालियर के नाम भेज सकते हैं। केन्द्र आयकर अधिनियम की धारा 80 जी के अंतर्गत कर मुक्त है। धन्यवाद सहित।

अधिक जानकारी के लिये कृपया संपर्क करें।

संयोजक

अनिल सरोदे **सागर कछवा**

आनन्द केन्द्र, विवेकानन्द नीडम्

महलगाँव, हरिशंकरपुरम् के पीछे

ग्वालियर – 474 002. म.प्र. भारत

फोन नं. 0751 2344866

मो. 09300763715,07566816013

www.vivekanandneedam.org

E-Mail

vivekanandneedam@gmail.com

sgr.0202@gmail.com

राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्राकृतिक स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण

दिनांक 22, 23, 24 फरवरी 2013

।। आयोजक।।

आनन्द केन्द्र, विवेकानन्द नीडम्

महलगाँव, हरिशंकरपुरम् के पीछे

ग्वालियर – 474 002. म.प्र. भारत

फोन नं. 0751 2344866

मो. 09300763715,07566816013